

<p>तारीख हुस्म</p>	<p>हुस्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर कब</p>
<p>25/10/19</p>	<p>एक तरफ का कार्यवाही शासक ने लगी मची पत्राचार  वाहन वदम रिपोर्ट 25-10-19 का पेड है।  पत्रावली वाले वदम पेड है। वदम खुनी  कामी दोराने कदम कबीर वादी न कथन कि  कि लगे शाग पीपेडा कबल कोलाजी नाग प्रका  दलका गुगाळपुरा वदम खडल्ला की कुजी प्रो  ख० न० 147 व 151, 65 से 68, 70 से 72,  76, 78 कुल किरा-14 कुल रकबा 10.2500  है। हे दिखला है की खालेदानी में यार्थी/वादी  का नाम "गुरलीराम पुत्र परमाराम दजी है।  जिबरी बाकी के समस्त दलालेज में कायम  नाम गुरुनन्द एक परमाराम है। राजल रिपोर्ट  में गलत नाम अंकित होले है वादी के राजबीर  सुनिधाजी से महबूम होला पड़ रहा है। इस  सक्त प्रीतिमें से राजल रिपोर्ट में वादी का  गुरलीराम एक परमाराम के स्थान पर गुरुनन्द  एक परमाराम लिखत किया गावे।  कबीर वादी की वदम खुनी गयी।  पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध दरसबीज  का अवलोकन किया गया। वादी द्वारा वाद  पत्र के संलग्न पत्रों किसे दरसबीज कमा: रखा  कई, गतनाता पदचान पत्र, आधार कर्त, पैक कर्त में  वादी का नाम गुरुनन्द एक परमाराम है। साथ  ही शाग पीचापत्र गुगाळपुरा जमी प्रमाण पत्र में भी  गुरलीराम एक परमाराम एवं अक्षरकृत एक परमाराम</p>

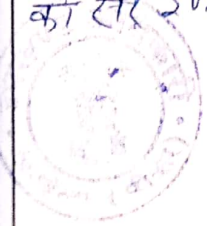
नाम एउ ही व्यक्ति का नाम होना बताया  
गया है। अतः वाकी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज  
के शीर्षक पचास भुगमपुरा द्वारा जारी प्रमाण  
पत्र से वाकी के वाद कथन साबित होते हैं।  
आदिगामी दुरुस्त किमा जाना - घोषित है।  
अतः वाकी का वाद पत्र स्वीकार किमा जाये  
आदेश किमा जाता है कि :-

आदेश

कृषि भूमि ख० न० 147 ता 151, 65 से 68,  
70 ता 72, 76, 78 कुल किमा - 14 कुल रक्बा  
10.2500 हे० तन ग्राम पीपेडा बाछाजी नगर  
पच्चार हल्का भुगमपुरा तहसील खण्डेला जिल्ला  
लीकर राजस्थान के राजस्व निकाई के वाकी  
का नाम "गुरुजीराम पुत्र परताराम" के स्थान  
पर "रामचन्द्र पुत्र परताराम दुरुस्त किमा जाके  
इकी भौति डिक्की जारी हो। पचासली फेशम  
सुमार एकेल कबल से कम हो। वाद तहसील  
कायिम दफ्तर हो।

यह निवेदि मेरे द्वारा आज दिनांक 25/10/19

को सरे इत्तमाल सुनाया गया।



*(Signature)*  
(राजीव सिंह)  
उपसहस्र अधिकारी  
खण्डेला (सीकर)